Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 24-08-2005

Participants : Budholiya Shri Rajnarayan

an>

Title : Need to declare 'Kajli' fair as a National Fair and ensure proper upkeeping and maintenance of ancient ponds and lakes in Mahoba, Uttar Pradesh.

MR. CHAIRMAN: Now, we will take up notices on Special Mentions. Shri Rajnarayan Budholia.

श्री राजनारायण बुधौलिया (हमीरपुर, उ.प्र.) : सभापति महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र महोबा में कजली मेले का इतिहास करीब 823 वर्ों पहले महोबा के चंदेल राजा परमाल के शासनकाल से जुड़ा हुआ है जिसमें वीरगाथा काल के सुप्रसिद्ध कवि जगनिक द्वारा रचित 'परमाल रासो' के नायक आल्हा और ऊदल के पराक्रम से जुड़ा महोबा का यह ऐतिहासिक मेला लोगों को त्याग और बलिदान की याद सावन के महीने प्रतिर्वा दिलाता है। पिछले 823 वर्ों से बराबर लाखों लोग आल्हा और ऊदल की वीरभूमि में आकर बड़े उत्साह से मेले में शामिल होते हैं। आज भी लोग इनके पराक्रमी साथियों के बलिदान व शौर्य को बड़ी श्रद्धा के साथ नमन करते हैं। आल्हा-ऊदल की शौर्य गाथा पूरे देश में और खासतौर पर बुंदेलखंड में आल्हा गायन के रूप में चर्चित है। इसी गाथा में एक लोकोक्ति है कि " पारस पथरी जिनके घर में, लोहा छुवत स्वर्ण हुई जाए"। लोगों का आज भी मानना है कि यह पारस-पथरी महोबा के प्राचीन सागर में है जिससे लोहा सोना हो जाता है।

इसी ऐतिहासिक महागाथा से जुड़े प्राचीन तालाब कीरत सागर व मदन सागर की स्थिति भी संतोाजनक नहीं है तथा चरखारी में भी अति प्राचीन झीलें हैं। मेले के दौरान इन ऐतिहासिक झीलों को देखने के लिए लाखों पर्यटक यहां आते हैं। इन ऐतिहासिक स्थलों की खराब स्थिति व मेले का स्वरूप प्रदूाित होने के बावजूद लोगों में मेले के प्रति आस्था बरकरार cè[r140]।

20.00 hrs.[c141]

परंतु लोगों में इस बात को लेकर रोा है कि इतने लोकप्रिय व ऐतिहासिक महत्व के मेले को आज तक राट्रीय मेले का दर्जा नहीं दिया जा सका। इस मेले को राट्रीय मेले का दर्जा न मिलने से लोगों में बहुत आक्रोश है। अभी मेले का आयोजन राज्य सरकारों के सहयोग से नगर पालिका परिाद द्वारा किया जाता है। पूर्व में इस मेले का आयोजन स्वयं सेवी संस्थाओं के द्वारा किया जाता था। अतः मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि महोबा में मदन सागर एवं कीरत सागर, प्राचीन तालों का सौंदर्यीकरण, चरखारी की प्राचीन झीलों के विकास हेतु आ वश्यक धन तुरंत उपलब्ध कराया जाए तथा ऐतिहासिक महत्व के कजली मेले को अगले वर्ा से ही राट्रीय मेला घोाित करने के लिए आवश्यक कदम उठाया जाए।

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, those who have written script may kindly hand it over at the Table so that we can save time in reading them out. They would be treated as Special Mentions. We can save time. Please cooperate.